भारत सरकार

**इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय**

**राज्य सभा**

**अतारांकित प्रश्न संख्या 1503**

जिसका उत्तर 31 जुलाई, 2026 को दिया जाना है ।

09 श्रावण, 1948 (शक)

**डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना पर अंतर्राष्ट्रीय सहयोग**

**1503. श्री घनश्याम तिवाड़ी:**
**श्री राजिन्दर गुप्ताः**
**डा. दिनेश शर्माः**
**श्री केसरीदेवसिंह झालाः**

क्या **इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) भारत ने कितने देशों के साथ डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना (डीपीआई) हेतु समझौता ज्ञापन (एमओयू) अथवा सहयोग समझौते हस्ताक्षरित किए हैं तथा सहयोग के प्रमुख क्षेत्र कौन-कौन से हैं;

(ख) ऐसे सभी समझौतों का प्रमुख ब्यौरा क्या है;

(ग) इन समझौतों के कार्यान्वयन में क्या प्रगति हुई है, जिसमें साझेदार देशों में भारत की डिजिटल सार्वजनिक वस्तुओं की तैनाती और क्षमता निर्माण संबंधी पहलें सम्मिलित हैं;

(घ) साझेदार देशों तथा संबंधित मंत्रालयों और एजेंसियों के साथ डीपीआई साझेदारियों के समन्वय हेतु अपनाए गए संस्थागत ढाँचे का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) आगामी तीन वर्षों हेतु डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना पर भारत के अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के विस्तार, विशेषकर ग्लोबल साउथ के देशों के साथ, की रूपरेखा क्या है?

उत्तर

**इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (श्री जितिन प्रसाद)**

**(क)** से **(ङ):** पिछले एक दशक में, भारत सरकार ने खुले, अंतरसंचालनीय और समावेशी डिजिटल प्लेटफार्मों का एक सुदृढ़ पारिस्थितिकी तंत्र बनाया है जिसने सार्वजनिक सेवा वितरण को बदल दिया है, वित्तीय समावेशन को बढ़ावा दिया है, नवाचार को प्रोत्साहित किया है और नागरिकों और व्यवसायों के लिए नए अवसर सृजित किए हैं। सरकार का दृष्टिकोण अब विश्व स्तर पर जुड़े, विश्वसनीय और समावेशी डिजिटल इकोसिस्टम के निर्माण की दिशा में घरेलू डिजिटल परिवर्तन से आगे बढ़ गया है। डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) 2023 में भारत की जी20 अध्यक्षता के दौरान डिजिटल इकोनॉमी वर्किंग ग्रुप (डीईडब्ल्यूजी) की बैठकों के प्रमुख प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में से एक था। जी20 नई दिल्ली लीडर्स डिक्लेरेशन ने डीपीआई को आर्थिक विकास के लिए विकास उत्प्रेरक के रूप में स्पष्ट रूप से मान्यता दी।

इस दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के लिए, भारत सरकार ने वैश्विक स्तर पर डिजिटल परिवर्तन में तेजी लाने के लिए सफल जनसंख्या-पैमाने के डिजिटल समाधानों को साझा करने में सहयोग के लिए 24 देशों के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं। ये समझौता ज्ञापन क्षमता निर्माण, ज्ञान और सर्वोत्तम अभ्यास आदान-प्रदान, संयुक्त कार्यशालाओं और विशेषज्ञ परामर्श, व्यवहार्यता और ई-रेडिनेस असेसमेंट, और

सिद्ध डिजिटल समाधानों के विकास, संचालन और स्केलिंग में सहयोग के लिए एक रूपरेखा प्रदान करते हैं। हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापनों की देश-वार सूची नीचे दी गई है।

**हस्ताक्षरित इंडिया स्टैक समझौता ज्ञापनों के भागीदार देशों की सूची**

| **क्र. सं.** | **प्राप्तकर्ता देश** | **हस्ताक्षर करने की तिथि** |
|---|---|---|
| 1 | **एंटीगुआ और बारबुडा** का सूचना, संचार प्रौद्योगिकी, यूटिलिटी और ऊर्जा मंत्रालय | 13 जून, 2023 |
| 2 | **आर्मेनिया** गणराज्य का हाई-टेक उद्योग मंत्रालय | 12 जून, 2023 |
| 3 | **पापुआ न्यू गिनी** का सूचना और संचार प्रौद्योगिकी मंत्रालय | 28 जुलाई, 2023 |
| 4 | **सिएरा लियोन** गणराज्य का सूचना और संचार मंत्रालय | 12 जून, 2023 |
| 5 | **सूरीनाम** गणराज्य का आर्थिक कार्य, उद्यमिता एवं तकनीकी नवाचार मंत्रालय | 12 जून, 2023 |
| 6 | **त्रिनिदाद और टोबैगो** गणराज्य का डिजिटल परिवर्तन मंत्रालय | 11 अगस्त, 2023 |
| 7 | **तंजानिया** गणराज्य का सूचना, संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय | 09 अक्टूबर, 2023 |
| 8 | **केन्या** गणराज्य का सूचना, संचार एवं डिजिटल अर्थव्यवस्था मंत्रालय | 05 दिसंबर, 2023 |
| 9 | **क्यूबा** गणराज्य का संचार मंत्रालय | 19 जनवरी, 2024 |
| 10 | **कोलंबिया** गणराज्य का सूचना और संचार प्रौद्योगिकी मंत्रालय | 16 फरवरी, 2024 |
| 11 | **लाओ पीपुल्स डेमोक्रेटिक रिपब्लिक (लाओ पीडीआर)** का प्रौद्योगिकी और संचार मंत्रालय | 27 जुलाई, 2024 |
| 12 | **सेंट क्रिस्टोफर (सेंट किट्स) और नेविस** फेडरेशन की सरकार | 05 अगस्त, 2024 |
| 13 | फ़ेडरल डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ़ **इथियोपिया** का इन्फ़ॉर्मेशन नेटवर्क सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेशन | 30 सितंबर 2024 |
| 14 | **जमैका** का प्रधानमंत्री कार्यालय | 01 अक्टूबर, 2024 |

| | | |
|---|---|---|
| 15 | **गाम्बिया** गणराज्य का संचार और डिजिटल अर्थव्यवस्था मंत्रालय | 03 अक्टूबर, 2024 |
| 16 | **फिजी** गणराज्य का व्यापार, सहकारिता, लघु और मध्यम उद्यम एवं संचार मंत्रालय | 12 नवंबर 2024 |
| 17 | को-ऑपरेटिव रिपब्लिक ऑफ़ **गुयाना** का प्रधानमंत्री कार्यालय | 19 नवंबर 2024 |
| 18 | बोलिवेरियन रिपब्लिक ऑफ़ **वेनेज़ुएला** का विज्ञान और प्रौद्योगिकी के लिए 'पीपल्स पावर' मंत्रालय | 12 फरवरी 2025 |
| 19 | डेमोक्रेटिक सोशलिस्ट रिपब्लिक ऑफ़ **श्रीलंका** का डिजिटल अर्थव्यवस्था मंत्रालय | 5 अप्रैल 2025 |
| 20 | फ़ेडरेटिव रिपब्लिक ऑफ़ **ब्राज़ील** का सार्वजनिक सेवाओं में प्रबंधन और नवाचार मंत्रालय | 8 जुलाई 2025 |
| 21 | किंगडम ऑफ **लेसोथो** का सूचना, संचार, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार मंत्रालय | 21 जुलाई 2025 |
| 22 | **मालदीव** गणराज्य का होमलैंड सुरक्षा और प्रौद्योगिकी मंत्रालय | 24 जुलाई 2025 |
| 23 | **मंगोलिया** का डिजिटल विकास, नवाचार और संचार मंत्रालय | 13 अक्टूबर 2025 |
| 24 | **सेशेल्स** गणराज्य का सूचना संचार प्रौद्योगिकी विभाग | 8 फरवरी 2026 |

भारत सरकार ने इंडिया स्टैक और अन्य जनसंख्या-स्तरीय डिजिटल समाधानों को प्रदर्शित करने और रुचि के क्षेत्रों की पहचान करने के लिए भागीदार देशों के साथ आभासी वर्चुअल परामर्श और तकनीकी कार्यशालाओं का आयोजन किया है। चिन्हित किए गए समाधानों के आधार पर, संबंधित भारतीय तकनीकी एजेंसियों और भागीदार देशों के साथ विस्तृत तकनीकी चर्चाएँ आयोजित की गई हैं, जिनमें भागीदार देश के डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र की तैयारियों का आकलन करने के लिए व्यवहार्यता अध्ययन भी शामिल हैं। ग्लोबल साउथ के देशों के साथ काफी प्रगति हुई है, जिसमें केन्या के साथ डिजी-लॉकर को लागू करने के लिए 'इम्प्लीमेंटेशन फ्रेमवर्क एग्रीमेंट' (आईएफए) और 'नॉन-डिस्क्लोजर एग्रीमेंट' (एनडीए) करना शामिल है। क्यूबा में भी एक मूलभूत डिजी-लॉकर समाधान विकसित करने का काम शुरू हो गया है।

इसके अलावा, विदेश मंत्रालय के भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (आईटीईसी) कार्यक्रम के तहत, दिसंबर 2025 में क्यूबा के प्रतिनिधिमंडल के लिए डीपीआई पर एक कोर्स आयोजित किया गया था। इसके अतिरिक्त, ई-संजीवनी, ई-ऑफिस, ई-हॉस्पिटल आदि सहित प्रमुख भारतीय डिजिटल समाधानों को संभावित रूप से अपनाने के लिए लाओ पीडीआर, सेशेल्स, वेनेजुएला, आर्मेनिया, फिजी, गुयाना कोलंबिया जैसे भागीदार देशों के साथ द्विपक्षीय परामर्श आगे बढ़ा है। इसके अलावा, यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) विभिन्न देशों की भुगतान प्रणालियों से जुड़ा हुआ है ताकि पर्सन-टू-पर्सन (पी2पी) प्रेषण और पर्सन-टू-मर्चेन्ट (पी2एम) लेनदेन की सुविधा मिल सके। भागीदार संस्थानों के साथ यूपीआई का उपयोग करने वाले देशों का विवरण नीचे दिया गया है।

**भागीदार संस्थानों के साथ यूपीआई का उपयोग करने वाले देश**

| क्र. सं | देश का नाम | के लिए लाइव | भागीदार संस्थान | से लाइव |
|---|---|---|---|---|
| 1. | भूटान | पी2एम | आरएमए भूटान | जुलाई 2021 |
| 2. | फ़्रांस | पी2एम | एलवाईआरए नेटवर्क | फरवरी 2024 |
| 3. | मॉरीशस | पी2एम | बैंक ऑफ मॉरीशस | फरवरी 2024 |
| 4. | नेपाल | पी2एम | फोनपे पेमेंट सर्विसेज लिमिटेड | मार्च 2024 |
| | | पी2पी | नेपाल क्लियरिंग हाउस लिमिटेड (एनसीएचएल) | जून 2026 |
| 5. | कतर | पी2एम | कतर नेशनल बैंक | सितंबर 2025 |
| 6. | सिंगापुर | पी2एम | एनईटीएस सिंगापुर पीटीई लिमिटेड।<br>हिटपे पेमेंट्स सॉल्यूशंस पीटीई लिमिटेड।<br>लिक्विडपे ग्रुप पीटीई लिमिटेड | अगस्त 2021 |
| | | पी2पी | बीसीएस पेनाउ | फरवरी 2023 |
| 7. | श्रीलंका | पी2एम | लंका पे प्राइवेट लिमिटेड | फरवरी 2024 |
| 8. | संयुक्त अरब अमीरात | पी2एम | मशरेक बैंक पीएससी (नियोपे)<br>नेटवर्क इंटरनेशनल<br>मैग्नाटी- सोल प्रोपराइटरशिप एलएलसी | अप्रैल 2022 |
| 9. | कंबोडिया | पी2एम | एक्लेडा बैंक पीएलसी | जून 2026 |
| 10. | यूनान | पी2पी | यूरोबैंक एस.ए | मई 2026 |

सरकार विदेशी प्रतिनिधिमंडलों के लिए नियमित रूप से अध्ययन दौरों और तकनीकी बातचीत की सुविधा प्रदान करती है, जिससे वे भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई), राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस डिवीजन (एनईजीडी), भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई), राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी), उन्नत कंप्यूटिंग विकास केंद्र (सी-डैक) आदि जैसे प्रमुख संस्थानों के साथ जुड़ सकें। ये जुड़ाव भागीदार देशों को कार्यान्वयन चुनौतियों पर चर्चा करने और अपने डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना को विकसित करने में भारत के अनुभव को आकर्षित करने में सक्षम बनाते हैं। हाल के कुछ अध्ययन यात्राओं में केन्या, रवांडा, नेपाल, इंडोनेशिया और दक्षिण अफ्रीका के प्रतिनिधिमंडल शामिल हैं। सरकार ने सोशल इम्पैक्ट फंड (एसआईएफ) को भी स्वीकृति दे दी है, जो विशेष रूप से निम्न और मध्यम आय वाले देशों (एलएमआईसी) में ग्लोबल साउथ में डीपीआई पायलट कार्यान्वयन के लिए वित्तीय सहायता और तकनीकी सहायता प्रदान करने के लिए सरकार के नेतृत्व में, बहु-हितधारक पहल है।

*****